मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 245 ■ शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

शिवसेना की 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

मनपा इलेक्शन सिलेक्शन की राह पर

शिवसेना-भाजपा में गठबंधन लगभग तय

भाजपा - शिवसेना 29-29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी?

- 50-50 फॉर्मूला लेकर उतरेंगे मैदान में
- साई पक्ष व टीओके को मिलेगी 20 सीटें
- टीओके व साई पक्ष का भविष्य शिवसेना के हाथ
- राकांपा निर्णायक बनकर उभरेगी
- सभी पूर्व नगरसेवकों को मिलेगा टिकट

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में विरोधी पक्ष पूरी तरह खत्म हो चुका है जिस कारण भाजपा व शिवसेना ने आगामी 15 जनवरी 2026 को होने वाले चुनाव में आपसी लड़ाई को भूलकर गठबंधन का रास्ता चुन लिया है। ऐसे में इस बार का मनपा इलेक्शन सिलेक्शन की राह पर चल पड़ा है। लेकिन महायुति का ही हिस्सा राकांपा जिन्होंने इस चुनाव में अलग रहने की जो भूमिका अपनाई है वो इस बार निर्णायक की भूमिका में उभरेगी। ऐसा पता चला है कि महायुति ने गठबंधन के तहत सभी पूर्व नगरसेवकों को दोबारा टिकट देने की घोषणा की है जिस कारण पिछले 9 वर्ष से चुनाव का इंतजार करने वाले युवा, सक्षम व नए उम्मीदवारों का पत्ता पूरी तरह कट होगा और उनके पास राकांपा अथवा अपक्ष के सिवाय कोई और विकल्प नहीं बच रहा है।

ज्ञात हो कि आगामी चुनाव के लिए उम्मीदवारों को अपना चिन्ह जनता तक पहुंचाने के लिए केवल 20 दिन ही शेष रह गए हैं ऐसे में अब भाजपा-सेना के पास युति के पूर्व नगरसेवकों को उतारने के सिवाय पर्याय शेष नहीं है। कहीं न कहीं यह वरिष्ठ नेताओं की रणनीति का ही हिस्सा माना जा रहा है। जो नगरसेवक महायुति में ही दलबदल कर चुके हैं वो वापस अपने घरों में ही देखने को मिल सकते हैं। सूत्रों से जानकारी मिली है कि 78 सीटों के लिए भाजपा व शिवसेना के बीच 50-50 का फॉर्मूला तय हुआ है। जिसमें शिवसेना के गठबंधन की पार्टी टीम ओमी कालानी को 14 सीटें व साई पक्ष को 6 सीटें जोकि शिवसेना के चिन्ह पर चुनाव लड़ेगी तथा भाजपा को 29 तथा शिवसेना को 29 सीटें देना बुधवार देर रात की बैठक में तय हुआ है। इस बैठक में महायुति की समन्वय समिति बनाई गई जिसमें चार सदस्य सेना के गोपाल लांडगे, बालाजी किणीकर, राजेंद्र चौधरी अरुण आशान और पांच सदस्य भाजपा के राजेश वधरिया, कुमार आयलानी, प्रदीप रामचंदानी, लाल पंजाबी व अमर लुंड आगामी चुनाव की रणनीति तय करेंगे। अब साई पक्ष व टीओके का भविष्य शिवसेना के हाथों में है।

युवा व नए चेहरों को फिर मिला धोखा

पिछले कई वर्षों से चुनाव का सपना संजोए हुए युवा व नए चेहरे जिनमें चुनाव लड़ने की उत्सुकता थी उन्हें एक बार फिर धोखा मिलता नजर आ रहा है। कई वर्षों से जिनका इस्तेमाल हुआ अपराधिक मामला दर्ज हुए हैं अब वो युवा व नए चेहरे निर्दलीय, राकांपा, प्रजा कृपा पार्टी, कांग्रेस, उबाठा, मनसे की राह पर चल पड़े हैं। जिन लोगों ने पिछले एक माह से अपने वार्ड में टिकट मिलने की उम्मीद में लाखों खर्च कर चुके हैं अंत में उन्हें टिकट मिलता हुआ नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में सबसे ज्यादा डिमांड में अब राकांपा का घड़ी चिन्ह होगा और चुनाव में वो पूरी तरह से निर्णायक होता हुआ नजर आ रहा है।

साईं पक्ष भी अलग लड़ने के मूड में

2017 के मनपा चुनाव में 11 सीटें लाने वाली जीवन इदनानी की साई पार्टी जोकि शिवसेना के साथ गठबंधन का ऐलान कर चुकी है अब वो वर्तमान स्थिति को देखते हुए अलग चुनाव लड़ने का मन बना रही है ऐसी जानकारी हमें सूत्रों ने दी है। सूत्रों की मानें तो उन्होंने बताया है कि भाजपा व सेना युति के तहत साई पक्ष को कम सीटें दी जा रही है जिस कारण साई पक्ष ने सेना से अलग होने का फैसला किया है। अब देखना है कि साईं पक्ष अलग चुनाव लड़ती है या युति के साथ रहेगी।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 6 भाजपा मुक्त होगा?

- सबसे चर्चित पैनल समस्याओं से ग्रस्त

पैनल 6	
कुल मतदाता	21,306
पुरुष मतदाता	10,901
महिला मतदाता	10,404

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर-1 व 2 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश हैं जिसमें पूरा गोल मैदान परिसर का समावेश है साथ ही सोनार गली, सीरू चौक, लासी गली, झूलेलाल मंदिर परिसर, कैम्प 2 ओटी सेक्शन, एसईएस गलर्स स्कूल, अशोक बोधा नाना नानी पार्क, उल्हास विकास प्रेस, कैम्ब्रिज शोरूम, सोनारा हॉल, लासी हॉल, हेमराज डेयरी, जय गजानन मार्केट, बेवस चौक, अमरधाम चौक, खेमानी, रूहानी सतसंग, हनीमून कॉटेज आदि का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ) रेखा ठाकूर - भाजप ब) सरोजिनी टेकचंदानी -भाजपा क) जया माखीजा-भाजपा ड) महेश सुखमानी -भाजपा के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर पूरी तरह भाजपा का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां ओबीसी, जनरल महिला, जनरल महिला व जनरल सीट है। इस पैनल में सिंधी समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां भाजपा व कालानी के नगरसेवक ही चुनते आ रहे हैं। इस बार यहां के दो नगरसेवक भाजपा को छोड़कर टीओके में शामिल हुए हैं और दो नगरसेविका टीओके को छोड़ भाजपा में गई है। ऐसे में भाजपा के पूर्व दिग्गज नेता प्रकाश माखीजा व महेश सुखरामानी ने दो नए लोगों के साथ मिलकर पैनल तैयार किया है। जिससे भाजपा कमजोर है। भाजपा यहां नए लोगों को टिकट न देकर पुरानों को टिकट दे रही है जिस कारण भाजपा का गणित बिगड़ा हुआ है। भाजपा नेता दीपक छतलानी यहां से दमदार रूप से मैदान में उतरने जा रहे हैं। इस राजनीति में यहां के नगरसेवकों ने कई समस्याओं को नजरअंदाज किया है जिसमें ट्रांसपोर्ट की गाड़ियां जो सारा दिन वार्ड में रहती है उसके अलावा अवैध निर्माण, सफाई व पानी की समस्या यहां अहम है जो उम्मीदवारों के चैलेंज होगी। यहां युति हुई तो राकांपा से नए उम्मीदवार टक्कर देने को तैयार खड़े हैं।

शौचालय सर्टिफिकेट प्रोसेस आसान हुआ

उल्हासनगर महानगर पालिका का ज़रूरी ऑर्डर

उल्हासनगर. महानगर पालिका चुनाव में ट्रांसपेरेंसी और टाइम पर काम पूरा करने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन ने एक ज़रूरी फैसला लिया है। आने वाले आम चुनावों में नॉमिनेशन पेपर के साथ शौचालय इस्तेमाल का सर्टिफिकेट जमा करने वाले कैंडिडेट्स की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, सर्टिफिकेट जारी करने का प्रोसेस आसान कर दिया गया है। यह सर्टिफिकेट सैनिटेशन इंस्पेक्टर जारी करेंगे। महानगर पालिका ने इसी के हिसाब से ऑफिस ऑर्डर जारी किया है। इससे इच्छुक उम्मीदवारों को राहत मिलेगी और चुनाव प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आम चुनाव लड़ने वाले हर कैंडिडेट के लिए नॉमिनेशन पेपर के साथ टॉयलेट इस्तेमाल का सर्टिफिकेट जमा करना ज़रूरी है। इसी के हिसाब से, यह शर्त स्टेट इलेक्शन कमीशन के 16 जुलाई, 2024 के लेटर के हिसाब से लागू की गई है।

अभी, चुनाव प्रक्रिया के बैकग्राउंड में, असिस्टेंट कमिश्नर, वार्ड कमेटी को असिस्टेंट इलेक्शन डिसीजन ऑफिसर बनाया गया है और वे चुनाव के काम में बिज़ी हैं। इसलिए, टॉयलेट इस्तेमाल का सर्टिफिकेट पाने के लिए कैंडिडेट्स से बड़ी संख्या में एप्लीकेशन मिल रही हैं, और एडमिनिस्ट्रेशन ने इस प्रोसेस में देरी से बचने के लिए दूसरे इंतज़ाम किए हैं। इलेक्शन ऑफिसर और कमिश्नर मनीषा अव्हाले के जारी नए ऑर्डर के मुताबिक, संबंधित वार्ड के सैनिटेशन इंस्पेक्टर को टॉयलेट इस्तेमाल का सर्टिफिकेट बनाने का अधिकार दिया गया है। उम्मीदवारों से एप्लीकेशन मिलने के बाद, सैनिटेशन इंस्पेक्टर नियमों के मुताबिक और कमीशन के बताए गए फॉर्मेट में सर्टिफिकेट तैयार करेंगे। उसके बाद, चीफ सैनिटेशन इंस्पेक्टर सर्टिफिकेट को सर्टिफाई करके एक तय समय में संबंधित उम्मीदवार को दे देंगे। यह ऑर्डर तुरंत लागू हो रहा है, जिससे उम्मीदवारों की भीड़ कम होगी और नॉमिनेशन प्रोसेस में आने वाली रुकावटों को दूर करने में मदद मिलेगी।

गांजा व अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

भिवंडी. भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है.क्राइम ब्रांच , भिवंडी को को गुप्त सूचना मिली कि आरीफ सिद्दीकी नामक युवक गांजा बेचने के लिए गायत्रीनगर क्षेत्र में आने वाला है.सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक मिथुन भोईर, पुलिस उप निरीक्षक रविंद्र बी. पाटील तथा उनकी टीम ने न्यू आज़ाद नगर, फैज़-ए-आम हाईस्कूल के पास सटीक जाल बिछाया.पुलिस ने मौके से आरोपी आरीफ अबरार अहमद सिद्दीकी 19, निवासी शांतिनगर भिवंडी को पंचों की मौजूदगी में हिरासत में लिया.तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 904 ग्राम गांजा, एक देशी माउज़र पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 20 हजार 600 रुपये बताई गई है. इस मामले में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, शस्त्र अधिनियम तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है.

उल्हासनगर में शिवसेना के इंटरव्यू के लिए भीड़

- अगर महागठबंधन हुआ तो ओमी टीम, SAI और RPI ग्रुप एक साथ आने के संकेत

उल्हासनगर. शिवसेना के उम्मीदवारों के इंटरव्यू पार्टी की सेंट्रल ब्रांच कैंप नंबर 4, मराठा सेक्शन में हुए। इस समय, बड़ी संख्या में उम्मीदवार जमा हुए हैं और स्थानीय नेताओं ने बताया कि सीनियर नेता उम्मीदवारी के बारे में फैसला लेंगे।

एक तरफ जहां उल्हासनगर मनपा चुनाव में महागठबंधन को लेकर अटकलें चल रही हैं, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के जिला प्रमुख गोपाल लांडगे उम्मीदवारों के इंटरव्यू के लिए पार्टी के सेंट्रल ऑफिस में मौजूद थे। जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने बताया कि इस समय 247 उम्मीदवारों का इंटरव्यू हुआ। इंटरव्यू की रिपोर्ट पार्टी प्रमुख और कमेटी के पास जाने के बाद उम्मीदवारी के बारे में फैसला लिया जाएगा। इंटरव्यू के लिए बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे।

इस बीच, लांडगे ने बताया कि BJP और शिवसेना के बीच महागठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है और एक-दूसरे की पार्टियों में शामिल हुए पुराने नगरसेवकों को उम्मीदवारी से बाहर नहीं रखा जाएगा। उन्होंने बताया है कि महायुति धर्म को लेकर BJP से बातचीत चल रही है, जिसमें ओमी टीम, साई पार्टी और रिपाई ग्रुप को ध्यान में रखा गया है।

2017 में मनपा के लिए चुने गए शिवसेना, ओमी टीम और साई पार्टी के पुराने नगरसेवकों की उम्मीदवारी को प्राथमिकता दी जाएगी। बाकी सीटों के लिए जिस पार्टी के वोट नंबर 2 पर थे, उसके उम्मीदवार को टिकट दिया जाएगा। जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने राय जताई कि उनकी उम्मीदवारी पर विचार किया जाएगा। लांगड़े के बयान से उम्मीदवारी चाहने वालों में नाराजगी फैलने की संभावना है।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 7 में नए युवा चेहरे करेंगे नेतृत्व

- गोल मैदान परिसर की दयनीय हालत

पैनल 7	
कुल मतदाता	19,762
पुरुष मतदाता	11,762
महिला मतदाता	9,398

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर- 2 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश हैं जिसमें कैम्प 2 ओटी सेक्शन, रमाबाई आंबेडकर नगर, आसाराम आश्रम, एमएसईबी आफीस, भैया साहेब आंबेडकर नगर, संत ज्ञानेश्वर मंदिर, अमरधाम चौक परिसर, धोबीघाट रोड, खेमानी परिसर, पानी टंकी परिसर, लुंम कंपनी परिसर, बडार कालोनी, पांडे डेअरी, आजाद नगर परिसर, खेमानी परिसर, पंजाबी कालोनी, बालकनजी बारी रोड का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ) अपेक्षा भालेराव - आरपीआय ब) शुभांगिनी निकम - भाजप क) लक्ष्मी सिंग-भाजपा ड) भगवान भालेराव - आरपीआय के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर पूरी तरह आरपीआय व टीओके भाजपा का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां एससी महिला, ओबीसी महिला, सामान्य व सामान्य सीट है। इस पैनल में सिंधी, मराठी व उत्तर भारतीय समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां टीओके से मयूर प्रभु लहाने व आर्किटेक्ट दुर्गा प्रसाद राय यह दोनों युवा मैदान में उतर रहे हैं जो कई वर्षों से समस्या से ग्रस्त से वार्ड को बदलेंगे। वहीं आरपीआय से भगवान भालेराव व भाजपा ने भी अपना पैनल बनाया हुआ है। इस बार इस पैनल में युवा व नए चेहरों की डिमांड है। यहां भी युति होती है तो नए टक्कर देंगे।

अंबरनाथ नपा में कांग्रेस किसका समर्थन करेगी?

- क्या कांग्रेस के प्रदीप पाटिल उपनगराध्यक्ष होंगे?
- जोड़-तोड़ शुरू

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में सत्ता की जोड़-तोड़ शुरू हो गई है. किसी भी पक्ष को पूरा बहुमत नहीं मिला है. नगराध्यक्ष भाजपा की तेजश्री करंजुले चुनकर आ गई है, लेकिन भाजपा के केवल 16 दस्य चुनकर आए हैं. सभापति के चुनाव जो कि नगरसेवक करेंगे, उस पर अब सबका ध्यान लगा हुआ है. कांग्रेस शहर में किंगमेकर का रोल करेगी. कांग्रेस के 12 सदस्य हैं. राकांपा (अप) के 4 सदस्यों ने भाजपा 16 को समर्थन दिया तो भाजपा 30 के आंकड़े को पार करके 32 तक पहुंचेगी. शहर में इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस से भाजपा की बातचीत चल रही है. कांग्रेस के प्रदीप पाटिल को उप नगराध्यक्ष बनाया जा सकता है. राकांपा (अ.प.) के शहराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने एक बयान देकर इस ओर इशारा किया है कि वह भाजपा को समर्थन दे सकते हैं. क्योंकि राज्य में भाजपा के साथ शिवसेना और राकांपा ने मिलकर सत्ता चला रहे हैं. दूसरी तरफ शिवसेना के 27 सदस्य चुनकर आए हैं. उनका भी 30 का आंकड़ा बन नहीं रही है.

विदित हो कि नपा में कुल 59 सदस्य हैं. अपना बहुमत बनाकर सभी पक्ष चाहते हैं कि उनका हर एक विभाग का सभापति हो. इसके लिए बहुंमत होना चाहिए. दो निर्दलीय भी चुनकर आए हैं. उनका झुकाव शिवसेना की तरफ है. शिवसेना का प्रयत्न है कि ये दोनों उनको समर्थन दे सकें. शिवसेना के 27 सदस्य एवं निर्दलीय 2 अगर मिला लिया जाए तो कुल 29 होते हैं. 30 का जादुई आंकड़ा पूरा नहीं हो रहा है. सभापति पद के लिए तगड़ा मुकाबला होने के आसार हैं.

अवैध कंस्ट्रक्शन न होने का एफिडेविट ज़रूरी

उल्हासनगर. महानगर पालिका चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अवैध कंस्ट्रक्शन के बारे में एक एफिडेविट देना होगा। उन्हें एफिडेविट में यह बताना होगा कि उन्होंने खुद या उन पर निर्भर परिवार के किसी सदस्य ने कोई बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन नहीं किया है। एफिडेविट में उन्हें यह भी बताना होगा कि अगर चुने जाने के बाद यह साबित हो जाता है, तो उनका कॉर्पोरेटर पद कैंसिल कर दिया जाएगा। महानगर पालिका क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में बड़ी संख्या में बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन हैं। इस वजह से, यहां रहने वाले और चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के एफिडेविट से बड़ी दिक्कतें खड़ी होंगी।

आने वाले म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन का मुद्दा कई उम्मीदवारों या पुराने कॉर्पोरेटर के लिए दिक्कत का सबब बनेगा। क्योंकि एफिडेविट में पहली बार बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन का मुद्दा उठाया गया है। इसलिए, जो लोग चुनाव लड़ने जा रहे हैं। उन्हें यह एफिडेविट देना होगा कि उन्होंने कोई बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन नहीं किया है। साथ ही उन्हें यह एफिडेविट भी देना होगा कि उनकी पत्नी और परिवार के किसी भी सदस्य ने कोई अनधिकृत कंस्ट्रक्शन नहीं किया है।

साकेतवासी महंत शामलदास जी की पुण्यतिथि स्मरण दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित

अंबरनाथ. अंबरनाथ बुवापाड़ा में गुरुवार 25 दिसंबर को साकेतवासी महंत शामलदास जी की 16वीं पुण्य स्मरण दिन के अवसर पर महंत तेजनारायणदास गुरु महंत शामलदास जी तथा महंत अभिषेक दास गुरु महंत शामलदास जी के सानिध्य में बुवापाड़ा हनुमान मंदिर सदन स्थित भजन, पूजन एवं भंडारे महाप्रसाद का आयोजन किया गया. सुबह से शाम तक सैकड़ों लोगों ने हाजरी लगाकर पुष्पांजलि अर्पित की. पूर्व नगरसेवक सुरेंद्र यादव, कमलाकांत राय, प्रमोद पांडेय, एड. दिव्या पै, एड. टी.एन. दुबे, दुर्गेश संतोष तिवारी सहित सैकड़ों भक्तों ने साकेतवासी महंत शामलदास जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके महाप्रसाद का लाभ प्राप्त किया. अंबरनाथ के साथ ही बदलापुर, कल्याण, मुरबाड, ठाणे से महंत शामलदास जी के भक्तों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की.

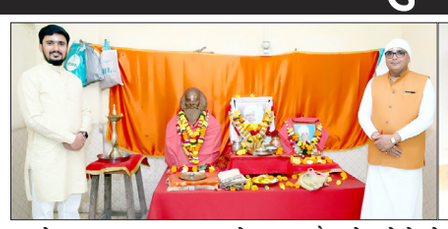

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

लापरवाही का धुआं

आमतौर पर होटलों में ठहरने के दौरान यह उम्मीद की जाती है कि वहां सुकून के साथ सुरक्षित माहौल भी होगा। मगर देश भर के कई होटलों में जिस तरह की लापरवाही बरती जाती है, वह चिंताजनक है। सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम न होने के कारण कई दफा लोगों की जान तक चली जाती है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में ऐसी ही एक घटना सामने आई है। यहां एक होटल में सोमवार रात अंगीठी के धुएं के कारण पांच लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। ये सभी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से इस होटल में रंग-रोगन संबंधी कार्य के लिए आए थे और वहीं एक कमरे में ठहरे थे।

यह आश्चर्य की बात है कि इस होटल के कमरे में अंगीठी का इस्तेमाल हो रहा था। ऐसे में सवाल है कि अंगीठी का बंदोबस्त होटल प्रबंधन ने ही किया था या फिर इन लोगों ने अपने स्तर पर इसका इंतजाम किया? और अगर निजी तौर पर वहां अंगीठी लाई गई थी, तो कर्मचारियों ने उन्हें रोका क्यों नहीं! यहां तक कि कमरे से उठते धुएं पर भी ध्यान न देना गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है।

होटलों में प्राथमिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा संबंधी बंदोबस्त की जांच करना स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि धुएं और आग की चेतावनी देने वाले उपकरण आमतौर पर कर्मचारियों को सचेत कर देते हैं। ऐसे में सवाल है कि इस होटल में क्या जरूरी सुरक्षा उपकरण नहीं लगाए गए थे?

इस तरह की व्यवस्थागत खामी के लिए होटल प्रबंधन के साथ-साथ वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं, जो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में समय-समय पर सुरक्षा उपायों का निरीक्षण करते हैं। कुरुक्षेत्र में हुए हादसे को टाला जा सकता था, अगर वहां तैनात कर्मचारी सचेत रहते और सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए होते।

लापरवाही के इस धुएं में पांच लोगों के जीवन की लौ बुझ गई, तो इसका दोषी कौन है? इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर ठोस कदम उठाने होंगे।

विचार : बुनियादी बदलाव से बचती कांग्रेस

बीं अभी हाल में दो तस्वीरें आईं, जो काफी चर्चा में रहीं। एक में कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत पक्ष-विपक्ष के कई नेताओं के साथ मुस्कुराते हुए चाय की चुस्की ले रही हैं। दूसरी तस्वीर उसके एक दिन पहले आई, जिसमें प्रियंका सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ हिमाचल की सड़कों को लेकर और केरल में अपनी प्राथमिकताओं पर चर्चा कर रही हैं। वैसे तो संसदीय परंपरा में ये सामान्य घटनाएं हैं, लेकिन इसका संदेश गूंजता है। विपक्ष सलाह दे सकता है, शक्ति हो तो दबाव बना सकता है, लेकिन सरकार को अस्वीकार नहीं कर सकता, जिसकी कोशिश खासतौर से मुख्य विपक्ष की ओर से होती रही है।

इससे शायद ही कोई इन्कार करे कि एक मोड़ पर जाकर नेतृत्व ही अहम हो जाता है। वही पार्टी की दिशाएं तय करने लगता है, उसकी विश्वसनीयता और अविश्वसनीयता से पार्टी की पहचान होने लगती है। वही पार्टी को हराता और जिताता है और भविष्य तय करने लगता है। वर्ष 2025 इस सवाल का बार-बार जवाब देते दिखा। इस वर्ष दो अहम चुनाव हुए। एक देश की राजधानी दिल्ली में और दूसरा हमेशा से राजनीति का अखाड़ा बने रहे बिहार में। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी नेता विपक्ष तो बने ही, पार्टी के अंदर भी उन्होंने प्रभावी नेता के रूप में खुद को स्थापित कर लिया। इन दोनों राज्यों में चुनाव के बाद फिर से स्पष्ट हो गया कि खुद को अपग्रेड

करने की उनकी क्षमता कहीं न कहीं लुप्त है। वे कांग्रेस नेता से खुद को नेता प्रतिपक्ष के रूप में अपग्रेड नहीं कर सके। कारण है संवाद की कमी, जिद और अकड़।

राहुल विपक्ष के नेताओं से तारतम्य बनाने में असफल रहे हैं। सरकार से संवाद करना उनके लिए असहज है। संसद के अंदर भी उनका सख्त चेहरा ही दिखता है। पार्टी में संवाद की स्थिति क्या है, यह बार-बार पार्टी नेताओं की ओर से ही सोनिया गांधी को लिखी जा रही चिट्ठी से स्पष्ट हो जाता है। ऐसे में प्रियंका की तस्वीरों ने चर्चा को छेड़ दिया है तो यह असामान्य नहीं है। दूसरी तरफ भाजपा के नेता प्रधानमंत्री मोदी हैं, जो हर किसी से संवाद में माहिर हैं। विपक्ष के नेताओं के साथ उनके उन्मुक्त संवाद को देखा जा सकता है। वे उन मुद्दों को छूते हैं, जो जनता को स्पर्श करें। चुनाव के वक्त पार्टी के साथ खड़े होते हैं और जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेते हैं। उनकी ओर से दिखाए जाने वाले इतिहास के कुछ पन्नों से कांग्रेस परेशान जरूर होती है, पर बतौर प्रधानमंत्री उनकी यह जिम्मेदारी भी तो है कि युवाओं को इतिहास याद दिलाएं। सकारात्मक सोचने की अपील करें। जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ था तो लगा था कि कांग्रेस समय और लोगों की अपेक्षा के अनुसार बदलने को तैयार होने लगी है। बहुत लंबे अरसे के बाद ऐसा हुआ कि दो दिन के शोर-शराबे के बाद विपक्ष भी चर्चा करने और कार्यवाही को सुचारु करने के लिए राजी हो गया। यह सुखद अहसास था, लेकिन मानसिक रूप से बदलाव नहीं हुआ। चुनाव सुधार पर चर्चा हुई तो सार्थक सुझाव दिए जाने चाहिए थे। बजाय इसके चुनाव आयोग के अधिकार को छीनने की मांग ही होती रही। संविधान भी कहता है और सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि एसआइआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार है, लेकिन विपक्ष चाहता है कि यह हो ही नहीं। जो सवाल किए गए, उसमें चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए कमेटी की बात भी आई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ही सरकार ने एक नियम तय किए, जो सरकार का अधिकार है। सरकार के अधिकार को नकारने का क्या अर्थ? युवाओं को तर्क से समझाना होता है, इतिहास से उदाहरण बताना होता है। तभी वे जुड़ते हैं। युवाओं को तो यही समझ आया कि पहले नेता विपक्ष भी कमेटी में नहीं होते थे। अब मोदी सरकार ने लोकसभा के नेता विपक्ष को शामिल कर दिया। यह नियम किसी भी सरकार पर लागू होगा। ऐसे में राहुल गांधी को अपनी छवि बड़ी बनानी थी। उन्हें राजनीति में अपराधीकरण रोकने की बात करनी चाहिए थी, एक ही स्थान से चुनाव लड़ने के लिए कानून बनाए जाने का सुझाव देना चाहिए था। एसआइआर पर तो अब चुनाव आयोग ने चुनौती दे दी है और कहा कि कुछ राज्यों में एसआइआर के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की है। उसे देख लीजिए और कोई आपत्ति हो तो बताइए।

हमें अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में यह चुनाव करना है कि हम अपनी समस्याओं की ओर ध्यान देंगे या प्रभु की ओर।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दिल्ली-NCR में सांसों का संकट

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियां आते ही यहां के बाशिंदों की सांसों पर संकट मंडराने लगता है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद यहां की वायु स्वच्छ नहीं हो पा रही है। हवा में घुलता प्रदूषण का जहर आमजन की सेहत पर भारी पड़ रहा है। हालत यह है कि मंगलवार को दिल्ली का वायु गणवत्ता सूचकांक चार सौ अंक पार कर गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली से सटे नोएडा की पहचान तो देश के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में की गई।

दिल्ली हाई कोर्ट ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी 'आपात स्थिति' में सरकार को वायु साफ करने वाले उपकरणों (एअर प्यूरीफायर) पर कर में छूट देने को लेकर विचार करना चाहिए। इसके लिए जीएसटी परिषद को जल्द से जल्द बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया। ऐसे में सवाल है कि आखिर शासन एवं प्रशासन प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए कोई स्थायी एवं प्रभावी योजना लागू क्यों नहीं कर पा रहे हैं? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि जो उपाय लागू किए गए हैं, क्या उन पर व्यावहारिक रूप से अमल हो पा रहा है या नहीं।

यह लंबे समय से बहस का विषय रहा है कि आखिर दिल्ली में प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है। इसके लिए कभी पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो कभी दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती वाहनों की

संख्या तथा उद्योग और निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कार्यों को वजह बताया जाता है। मगर इन दिनों तो पराली जलाने की घटनाएं भी बहुत कम सामने आ रही है, फिर दिल्ली की वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी तक कैसे पहुंच रहा है!

जाहिर है कि इसके पीछे कोई एक वजह नहीं हो सकती, इसलिए प्रदूषण के सभी स्रोतों का ईमानदारी से आकलन करने की जरूरत है। दूसरा, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के सुझाव पर अगर वायु साफ करने वाले उपकरणों पर सरकार जीएसटी में छूट दे देती है, तो इसका लाभ भी आर्थिक रूप से सक्षम तबके तक ही सीमित रहेगा।

बाकी आम लोगों को तो जहरीली हवा में ही सांस लेना पड़ेगा, उनके स्वास्थ्य की चिंता कौन करेगा। जबकि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय अपने एक आदेश में कह चुका है कि स्वच्छ हवा पर सभी नागरिकों का अधिकार है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का एक पहलू यह भी है कि मूल समस्या की जड़ तक जाने की बजाय इस पर राजनीति ज्यादा हावी होने लगी है। सियासी दल अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला झाड़ने के लिए एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ते रहते हैं। दिल्ली में सत्तारूढ़ दल भाजपा का तर्क है कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कारगर कदम नहीं उठाए गए। वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा अपनी जवाबदेही से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है।

सवाल है कि क्या इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप से प्रदूषण की गंभीर होती समस्या का समाधान निकल पाएगा? जहरीली हवा की वजह से जो लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है। समय आ गया है कि मानव जीवन की रक्षा को सर्वोपरि मानकर प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास किए जाएं, ताकि सभी नागरिक स्वच्छ हवा में सांस ले सकें।

तौलिया पर क्यों बनी होती हैं लाइनें, क्या है कारण?

जरा हट के

आपने कई तौलिया में एक खास प्रकार का डिजाइन देखा होगा. तौलिया के कोनों पर लाइनें बनी रहती हैं. ऐसा डिजाइन बहुत से टॉवल में देखने को मिलता है. तो अब सवाल ये उठता है कि क्या ये लाइनें सिर्फ डिजाइन हैं या फिर इसके पीछे कोई और कारण भी होता है? हमारा दावा है कि 90 फीसदी लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं होगी!

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट के एक फोरम पर कुछ महीनों पहले किसी ने तौलिया की एक फोटो शेयर की जिसमें 4 तौलिया एक साथ रखी नजर आ रही हैं. उन तौलिया में सिर्फ रंग की समानता नहीं है, बल्कि डिजाइन की भी है. उनके कोनों पर लाइनें बनी हुई हैं. फोटो पोस्ट करने वाले शख्स ने सवाल पूछा कि आखिर तौलिया पर ये लाइनें क्यों होती हैं, उसे बिल्कुल भी नहीं पता और वो दूसरों से जानना चाहता है.

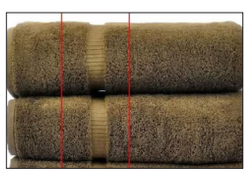

इस पोस्ट को 14 हजार अपवोट मिल चुके हैं और हजारों लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक व्यक्ति ने कहा, "इससे तौलिये का बीच वाला हिस्सा गीला हो सकता है, जबकि उसके सिरे जमीन पर टपकते नहीं हैं (जब तक कि तौलिया पूरी तरह भीग न जाए). पानी गहरे रोएंदार हिस्से से कसकर बुने गए हिस्से तक और फिर वापस बहुत जल्दी नहीं बहता." एक अन्य यूजर ने कहा, "मेरा मानना है कि इन पट्टियों का इस्तेमाल तौलिया मोड़ने पर उसकी किस्म पहचानने के लिए भी किया जा सकता है, क्योंकि इनमें अलग-अलग मोटाई, संख्या और डिजाइन की धारियां होती हैं."

द गुड हाउसकीपिंग इंस्टीट्यूट की टेक्सटाइल्स, पेपर एंड अपैरल लैब की एसोसिएट डायरेक्टर एमा सीमोर ने प्रकाशन को बताया, "इसे डॉबी बॉर्डर कहा जाता है, जो कई बाथ टॉवेल्स में आम होता है. यह पूरी तरह टेरीक्लॉथ होने की तुलना में ज्यादा संरचना देता है और किनारों के उधड़ने से भी बचाता है." डॉबी बॉर्डर तौलिये के निचले हिस्से के पास बुनी गई एक पट्टी होती है. यह एक ही पट्टी या कई पट्टियों के रूप में हो सकती है, लेकिन आमतौर पर यह तौलिये के किनारों के पास ही मिलती है.

इंस्टेंट चुकंदर डोसा

सामग्री

- चावल – 1 कप
- उड़द दाल – ½ कप
- उबला हुआ चुकंदर – 1 मध्यम आकार का
- अदरक – 1 छोटा टुकड़ा
- हरी मिर्च – 1
- नमक – स्वादानुसार
- पानी – आवश्यकतानुसार
- तेल – सेकने के लिए

बनाने का तरीका

चावल और उड़द दाल को धोकर अलग-अलग 5-6 घंटे भिगो दें। दोनों को अलग-अलग पीसें और फिर मिलाकर बैटर तैयार करें। इस मिक्सचर को ढककर गर्म स्थान पर 8-10 घंटे फर्मेंट होने दें। चुकंदर को उबालकर मिक्सर में अदरक और हरी मिर्च के साथ पीस लें। तैयार पेस्ट को फर्मेंटेड बैटर में मिलाएं और नमक डालें। तवे को मीडियम फ्लेम पर गरम करें, थोड़ा तेल लगाएं और एक कलछी बैटर डालकर गोल डोसा फैलाएं। दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक सेकें। नारियल की चटनी और सांभर के साथ सर्व करें।

इंस्टेंट चुकंदर डोसा (बिना फर्मेंटेशन के)

सामग्री

- सूजी – ½ कप
- बेसन – ½ कप
- दही – 2 टेबलस्पून
- कद्दूकस किया चुकंदर या प्यूरी – ½ कप
- अदरक – ½ टीस्पून
- हरी मिर्च – 1 (बारीक कटी)
- नमक – स्वादानुसार
- पानी – आवश्यकता अनुसार
- तेल – सेकने के लिए

बनाने का तरीका

सूजी, बेसन और दही को एक बर्तन में डालें, थोड़े पानी के साथ गाढ़ा बैटर तैयार करें। अब इसमें चुकंदर प्यूरी, अदरक, हरी मिर्च और नमक मिलाएं। अगर जरूरत हो तो थोड़ा और पानी डालें, बैटर पतला और बहने लायक रखें। तवे को गरम करें, तेल लगाकर बैटर डालें और हल्का फैलाएं। दोनों तरफ से क्रंची होने तक सेंकें। इसे पुदीना चटनी या टमाटर की चटनी के साथ सर्व करें।

हाथों में दर्द और सुन्नपन?

लैपटॉप वर्कर्स ऐसे बचें कार्पल टनल सिंड्रोम से

हाथ और कलाइयों में दर्द या झनझनाहट महसूस होना कार्पल टनल सिंड्रोम का संकेत हो सकता है। यह धीरे-धीरे बढ़ने वाली समस्या है, जिसकी वजह से टाइपिंग या शर्ट के बटन लगाने जैसे रोजमर्रा के छोटे-मोटे काम करने में भी परेशानी आती है। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि कार्पल टनल सिंड्रोम क्या है, इसके क्या लक्षण हैं और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

■ क्या होता है कार्पल टनल सिंड्रोम

यह हाथ से जुड़ी आम समस्याओं में से एक है। हाथ पर पड़ने वाले प्रेशर की वजह से कलाई के कार्पल टनल के मध्य स्थित नर्व पर दबाव पड़ने से ऐसा होता है। यह टनल एक सकरे रास्ते की तरह होता है, जो कि हथेलियों की तरफ हड्डियों और लिगामेंट्स से घिरा होता है।

■ ये होती है परेशानी

- हाथ में सुन्नपन
- उंगलियों में झन्नाहट या दर्द
- लिखने या टाइप करने में परेशानी
- हाथों से बार-बार चीजें गिर जाना
- ग्रिपिंग में दिक्कत महसूस होना
- ऑफिस वर्कर्स को है ज्यादा खतरा

कंप्यूटर या लैपटॉप पर लगातार हाथों को तानकर काम करने से गर्दन की मांसपेशियों और कलाई की नसों पर दबाव पड़ता है। दिनभर टाइपिंग का काम करने के दबाव की वजह से टिशूज में सूजन हो जाती है और हाथ के कार्पल टनल के मीडियन नर्व तक पहुंच जाती है। सिर्फ ऑफिस में काम करना ही कार्पल टनल सिंड्रोम का कारण नहीं बनता, बल्कि उम्र और जेनेटिक्स भी अहम रोल निभाते हैं।

■ इस तरह करें अपना बचाव

कंप्यूटर माउस हो सही: एर्गोनोमिक डिजाइन के कंप्यूटर माउस कार्पल टनल के नर्व्स पर पड़ने वाले दबाव को दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ध्यान रखें कि काम करते समय माउस कलाइयों पर प्रेशर ना डाल रहा हो।

पोश्चर का रखें ध्यान: कंप्यूटर या लैपटॉप के सामने झुककर काम करने से गर्दन या बैक पर काफी दबाव पड़ता है, जिससे हाथ व कलाइयां प्रभावित होती हैं। कार्पल टनल सिंड्रोम से बचने के लिए अपने पोश्चर का पूरा ध्यान रखें।

टाइपिंग का सही तरीका: टाइपिंग का सही तरीका आपकी कलाई की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। अपनी कलाइयों को बहुत ज्यादा ऊपर या नीचे की तरफ मोड़ने से बचें। अपने कीबोर्ड को अपनी कुहनी या उससे थोड़ा नीचे रखने की कोशिश करें।

ब्रेक लेते रहें: एक-एक घंटे के दौरान अपनी डेस्क से उठना कार्पल टनल सिंड्रोम से बचने के लिए काफी अहम है। ब्रेक के दौरान अपनी कलाइयों और हाथों को स्ट्रेच करें। इससे नर्व्स पर पड़ने वाला दबाव कम होगा।

ग्रिपिंग हो सही: ऑफिस में सिर्फ कंप्यूटर या लैपटॉप पर ही काम नहीं करना होता, हाथ से भी लिखने होता है। ऐसे में बेहतर पकड़ वाले ओवरसाइज पेन चुनें। कलाइयों को आराम देने के लिए थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें।

आज का राशिफल

मेष : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। दु:खद समाचार मिल सकता है। विरोध होगा। व्यर्थ भागदौड़ होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। रुका धन मिलेगा।

वृषभ : सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है।

मिथुन : फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। व्ययों में कमी करना चाहिए। व्यापार अच्छा चलेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

कर्क : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

सिंह : कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद न करें। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी। जीवनसाथी से मतभेद होंगे।

कन्या : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

तुला : नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी। पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा। वाणी संयम आवश्यक है।

वृश्चिक : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। नौकरी में तबादला तथा पदोन्नति के योग हैं। अनावश्यक क्रोध न करें। धन संबंधी काम पूरे होंगे।

धनु : पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। आर्थिक निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर : परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। पारिवारिक, मांगलिक कार्य की योजना बनेगी। कर्ज लेने से बचना चाहिए।

कुंभ : शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त हो सकती है। रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा। पराक्रम के प्रति निष्क्रियता के कारण मन अप्रसन्न रहेगा।

मीन : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए। व्यापार में लाभकारी परिवर्तन होंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लटकती तोंद से चाहिए छुटकारा?

■ पिरामिड वॉकिंग है आसान तरीका

आज की बिजी शेड्यूल वाली लाइफ स्टाइल और बैठकर काम करने की आदतों ने लोगों में मोटापा, खासकर पेट के आसपास चर्बी बढ़ने की समस्या को नॉर्मल बना दिया है। साथ ही, कम फिजिकल एक्टिविटी से ब्लड सर्कुलेशन भी प्रभावित होता है, जिससे थकान, सुस्ती और कई हेल्थ प्रॉब्लम्स समस्याएं जन्म लेती हैं। ऐसे में एक आसान लेकिन बेहद प्रभावी तरीका है पिरामिड वॉकिंग, जिसे अपनाकर आप न सिर्फ पेट की चर्बी को कम कर सकते हैं, बल्कि अपने पूरे शरीर के ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बना सकते हैं।

■ पिरामिड वॉकिंग क्या है?

पिरामिड वॉकिंग एक इंटरवल आधारित वॉकिंग टेक्निक है जिसमें चलने की गति को धीरे-धीरे बढ़ाया जाता है और फिर उसी क्रम में घटाया जाता है।ये प्रॉसेज एक पिरामिड जैसी बनावट में होती है– जैसे पहले 1 मिनट धीमी चाल, फिर 2 मिनट मध्यम, 3 मिनट तेज चाल, फिर दोबारा 2 मिनट मध्यम और अंत में 1 मिनट धीमी चाल। इस पैटर्न को आप अपनी फिटनेस के अनुसार बढ़ा सकते हैं।

■ इसे कब और कैसे करें?

सुबह या शाम खुले एटमॉस्फियर में करें। शुरुआत 10-15 मिनट से करें और फिर सप्ताह दर सप्ताह इसका समय और तीव्रता बढ़ाएं। पिरामिड वॉकिंग को रोज़ाना करने से न केवल वजन घटता है, बल्कि थकावट, स्ट्रेस और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं भी काफी हद तक नियंत्रण में रहती हैं। अगर आप बिना जिम गए फिट रहना चाहते हैं, तो पिरामिड वॉकिंग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना एक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। यह न केवल पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है, बल्कि आपके हार्ट को भी मजबूत और दिमाग को तरोताजा बनाए रखता है।

■ यह पेट की चर्बी कैसे कम करता है

पिरामिड वॉकिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को एक्टिव करता है। तेज और धीमी चाल के बदलाव से हार्ट रेट बढ़ता है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न होती हैं। साथ ही, यह तकनीक शरीर को शॉक देती है, जिससे वह ज्यादा एनर्जी खर्च करता है और फैट स्टोर को एनर्जी में बदलता है। खासतौर पर पेट के चारों ओर जमा जिद्दी फैट पर इसका असर जल्दी दिखने लगता है।

■ ब्लड सर्कुलेशन कैसे सुधरता है

पिरामिड वॉकिंग में बदलती चाल से ब्लड सर्कुलेशन पर पॉजिटिव इफेक्ट पड़ता है। तेज चलने से हृदय अधिक पंप करता है और धीरे-धीरे चलने से मांसपेशियों को ऑक्सीजनेटेड ब्लड मिलता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन संतुलित होता है, नसों में सूजन कम होती है, और शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ता है। यह हार्ट हेल्थ को भी मजबूत बनाता है और हाई बीपी जैसी समस्याओं को नियंत्रित करता है।

फ्रिज में रखी 9 चीजें बन सकती हैं जहर

फ्रिज की ठंडी और सूखी हवा हर फूड आइटम के लिए उपयुक्त नहीं होती।फिर देर किस बात कि आइए जानते हैं उन फूड्स के बारे में जिन्हें भूलकर भी फ्रीज में नहीं रखना चाहिए

आलू : फ्रिज की ठंडक आलू में मौजूद स्टार्च को शुगर में बदल देती है, जिससे उनका स्वाद मीठा और पकने पर अनहेल्दी हो सकता है। इसलिओ इन्हें ठंडी, सूखी जगह पर रखें।

टमाटर : फ्रिज में रखने से टमाटर का टेस्ट फीका और टेक्सचर गाढ़ा हो जाता है। वे अपना जूस और मिठास खो बैठते हैं, जो खाने का स्वाद खराब कर सकता है।

प्याज : फ्रिज की नमी प्याज को नरम बना देती है और सड़ने के प्रोसेस को तेज कर देती है। इन्हें जालीदार टोकरी में रखें।

लहसुन : लहसुन को फ्रिज में रखने से वह अंकुरित हो सकता है और उसका फ्लेवर फीका पड़ जाता है। यह नमी में जल्दी खराब भी हो सकता है।

केला : फ्रिज में रखने से केले का छिलका जल्दी काला हो जाता है और अंदर का हिस्सा सड़ने लगता है। इन्हें रूम टेम्परेचर पर पकने दें।

शहद : शहद को फ्रिज में रखने से वह क्रिस्टलाइज हो जाता है, जिससे उसका इस्तेमाल मुश्किल हो जाता है। इसे हमेशा एयरटाइट जार में कमरे के तापमान पर रखें।

ब्रेड : फ्रिज में ब्रेड रखने से वह जल्दी सूख जाती है और उसका सॉफ्ट टेक्सचर खराब हो जाता है। लंबे समय के लिए डीप फ्रीजर बेहतर विकल्प है।

कॉफी : कॉफी फ्रिज की नमी को सोख लेती है, जिससे उसका फ्लेवर और अरोमा खराब हो जाता है। इसे हमेशा एयरटाइट कंटेनर में ठंडी, सूखी जगह पर रखें।

तेल : कुछ लोग कुकिंग ऑयल को फ्रिज में रखते हैं, लेकिन इससे तेल गाढ़ा और कभी-कभी सफेद हो जाता है। इसे ठंडी लेकिन नमी रहित जगह पर रखें।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पट्टीदार के लालच ने एक ही महिला की तीन-तीन बार कराई 'मौत', बेटे ने खोला खेल

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में एक शख्स ने जमीन हड़पने के लिए ऐसी साजिश रची कि कागजों में एक ही महिला को तीन-तीन बार मार डाला। एम्स थाना क्षेत्र में महिला की मौत के बाद तीन बार फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाकर जमीन पर दावा किया। महिला के बेटे की शिकायत पर इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शिकायतकर्ता का पट्टीदार है। झरना टोला निवासी गया प्रसाद यादव को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया। देवरिया के रुद्रपुर सोनबह मुस्तकिल निवासी ओमप्रकाश यादव ने अपने पट्टीदार योगेंद्र प्रताप यादव और उसके पिता गया प्रसाद यादव पर नगर निगम कर्मियों की मिलीभगत से उनकी दिवंगत मां पुरनी देवी का तीसरी बार फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

अपने ही बुने जाल में फंसी पुलिस, एसएचओ समेत 11 पुलिसकर्मियों पर केस का आदेश

संभल. फर्जी एनकाउंटर को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहने वाली यूपी पुलिस ने एक अजब कारनामा सामने आया है। संभल पुलिस गुड वर्क के चक्कर में अपने ही बुने जाल में फंस गई है। बहजोई थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 की लूट की घटना में जेल में बंद व्यक्ति को आरोपी दिखा दिया। मामला कोर्ट में पकड़ा गया। कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्कालीन एसएचओ समेत 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संभल (चंदौसी) ने थाना बहजोई को एफआईआर दर्ज कर विवेचना कराने और तीन दिन के भीतर पंजीकरण की सूचना न्यायालय में देने का आदेश दिया है। मामला बहजोई थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर जूना गांव से जुड़ा है। 25 अप्रैल 2022 को दुर्वेश दूध बेचकर भुगतान लेकर गांव लौट रहा था, तभी बाइक सवार दो लोगों ने उससे नकदी लूट ली। इस संबंध में बहजोई थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। इसी मुकदमे में ओमवीर नामक व्यक्ति को आरोपी बनाकर जेल भेजा गया। ओमवीर ने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उसे सुनियोजित साजिश के तहत लूट के झूठे मामले में फंसाया गया, जबकि घटना के समय वह जिला कारागार बदायूं में बंद था।

एक तरफा प्यार में लड़के ने लड़की की गोली मारकर की हत्या, खुद फांसी लगाकर दी जान

बड़ौत. यूपी में बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के महावतपुर बावली गांव में दिल दहला देने वाली घटना हुई। यहां एकतरफा प्यार में पड़े सनकी युवक ने युवती को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। बाद में युवक ने भी फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुँची पुलिस व फोरेंसिक विभाग की टीम ने जांच कर दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। दरअसल, मृतक युवती गुड्डन पुत्री लख्मी सैनी उम्र 18 साल थी। वह घर पर ही सिलाई का काम करती थी, उसके पिता बड़ौत कोतवाली में ही चौकीदार की नौकरी हैं। घर से कुछ ही दूरी पर रहने वाला सतनाम कटारिया पुत्र कृष्ण उम्र 23 वर्ष गुड्डन से एकतरफा प्यार करता था। सतनाम व उसका परिवार पंजाब के एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। कुछ दिनों से वह गांव में अपने घर आया हुआ था। गुरुवार को करीब साढ़े 10 बजे गुड्डन अपने घर से कुछ सामान लेने गई जा रही थी। जब वह घर के पीछे गली में पहुँची तो वहां मौजूद सतनाम ने उसका रास्ता रोक तंमचे से उसके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही गुड्डन वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ी। प्रत्यदर्शियों के अनुसार सतनाम ने घटना को अंजाम देकर खुद को भी गोली मारनी चाही, लेकिन तमंचे में गोली फंस गई। बाद में सतनाम ने अपने घर में लगे नीम के पेड़ पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल 3 ब्राह्मण नेताओं को समर्पित

- यूपी में अखिलेश-मायावती की राह पर BJP
- दशकों तक ब्राह्मणों को साधेगा

लखनऊ. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (गुरुवार) लखनऊ में बने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे। योगी सरकार ने प्रेरणा स्थल को जनसंघ के संस्थापक और संस्थापक सदस्य रहे 3 बड़े ब्राह्मण नेताओं को समर्पित किया है।

यह प्रेरणा स्थल आने वाले कई सालों तक यूपी में ब्राह्मण वोटबैंक को साधने में मदद करेगा। बसपा के अंबेडकर और कांशीराम पार्क, सपा के लोहिया और जनेश्वर मिश्र पार्क के बाद भाजपा ने भी प्रेरणा स्थल के रूप में बड़ी लकीर खींची है।

- 3 बड़े ब्राह्मण नेताओं को समर्पित

राष्ट्र प्रेरणा स्थल में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा लगाई गई हैं।

तीनों देश की राजनीति के बड़े ब्राह्मण चेहरे रहे हैं।

- सपा ने जनेश्वर मिश्र पार्क बनाया

सपा की मुलायम सिंह सरकार में गोमती नगर में 76 एकड़ में डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क और अखिलेश यादव सरकार में 376 एकड़ में जनेश्वर मिश्र पार्क बनाया गया। दोनों पार्क लखनऊ शहर के बीचोंबीच स्थित हैं। जनता के लिए भी काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं।

- मायावती ने बनवाया था अंबेडकर पार्क

बसपा सरकार में सीएम मायावती ने गोमतीनगर में गोमती नदी के किनारे 108 एकड़ में अंबेडकर पार्क बनाया था। अंबेडकर पार्क शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की स्मृति में आशियाना में 86 एकड़ में कांशीराम स्मृति उपवन भी बनवाया था। डॉ. भीमराव अंबेडकर की पत्नी रमाबाई अंबेडकर की स्मृति में भी 50 एकड़ में रमाबाई अंबेडकर पार्क बनवाया था।

जानिए कैसे बना राष्ट्र प्रेरणा स्थल

2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही यूपी में अपने बड़े नेताओं को समर्पित एक स्मारक या पार्क की योजना बनी थी। भाजपा नेतृत्व का मानना था कि लखनऊ में जनसंघ के संस्थापक सदस्यों की स्मृति में एक बड़ा पार्क होना चाहिए। उसी सोच के तहत राष्ट्र प्रेरणा स्थल बनाया गया।

हिडमा के खात्मे के बाद बड़ी कामयाबी

एक करोड़ का इनामी टॉप नक्सली गणेश उइके मारा गया

कंधमाल. हिडमा के खात्मे के बाद सुरक्षा बलों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षाबलों ने एक बड़े एनकाउंटर में शीर्ष नक्सली नेता गणेश उइके समेत चार नक्सलियों को ढेर कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ओडिशा के कंधमाल के जंगलों में एक बड़े ऑपरेशन में माओवादी सेंट्रल कमेटी के सदस्य गणेश उइके और 5 अन्य नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है।

- शाह ने बताया मील का पत्थर

केंद्रीय गृहम मंत्री अमित शाह ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में इस कामयाबी को नक्सल मुक्त भारत की दिशा में मील का पत्थर करार दिया। उन्होंने कहा- ओडिशा के कंधमाल में एक बड़े ऑपरेशन में सेंट्रल कमेटी के सदस्य गणेश उइके समेत 6 नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ ओडिशा से नक्सलवाद से पूरी तरह खत्म होने की ओर है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

- गणेश उइके पर था 1.1 करोड़ का इनाम

वहीं ओडिशा में एंट्री नक्सल अभियानों की अगुवाई कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीपीआई (माओवादी) सेंट्रल कमेटी के सदस्य उइके के साथ नक्सलियों की टीम की मुठभेड़ चाकपाड़ पुलिस स्टेशन इलाके के एक जंगल में हुई। गणेश उइके पर 1.1 करोड़ रुपये का इनाम था। वह ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन के प्रमुख के तौर पर काम कर रहा था। 69 साल के गणेश उइके के कई उपनाम थे।

इन नामों से चर्चित था गणेश उइके

गणेश उइके को पक्का हनुमंतु, राजेश तिवारी, चमरू और रूपा के नाम से भी जाना जाता था। वह तेलंगाना के नलगोंडा जिले के चेंदूर मंडल के पुल्लेमाला गांव का निवासी था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में दो महिला नक्सली भी मारी गई हैं। खबर लिखे जाने तक अन्य नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई थी। देश से नक्सलवाद के खात्मे के लिए पूरी ताकत से लगे सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी और अभूतपूर्व कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है।

10वीं मंजिल से गिरा शख्स, 8वें फ्लोर की खिड़की में पैर फंसने से बची जान

सूरत. गुजरात के सूरत में गुरुवार सुबह एक रौंगटे खड़े करने वाला हादसा सामने आया। टाइम गैलेक्सी बिल्डिंग की 10वीं मंजिल से गिरा एक शख्स 8वीं मंजिल की लोहे की खिड़की की ग्रिल में फंस गया और उल्टा लटकता रहा। व्यक्ति को इस हालत में देखकर बिल्डिंग में रहने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, 57 साल के नितिन भाई आडिया टाइम गैलेक्सी बिल्डिंग की 10वीं मंजिल पर रहते हैं। नितिन कल रात खिड़की के पास सो रहे थे। तभी चक्कर आने के कारण वह गिर गए। गनीमत रही कि वह 8वीं मंजिल की ग्रिल में अटक गए, जिससे उनकी जान बच गई।

सूरत फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे फायर कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति 8वीं मंजिल पर फंसा हुआ है। मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शख्स को सुरक्षित निकाला गया।

3 नई एयरलाइंस को केंद्र की हरी झंडी

- शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस को NOC मिला;
- एविएशन सेक्टर में मोनोपॉली तोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली. सरकार ने एविएशन सेक्टर में कॉम्पिटिशन बढ़ाने और बड़ी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने के लिए तीन नई एयरलाइंस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जारी किया है। इन एयरलाइंस के नाम शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस हैं। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब हाल ही में इंडिगो के ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतें सामने आई थीं। इसके बाद सरकार को लगा कि भारतीय एविएशन सेक्टर में ज्यादा कंपनियों और विकल्पों की जरूरत है।

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारतीय आसमान में ज्यादा एयरलाइंस को बढ़ावा देना है। सरकार का मानना है कि नई एयरलाइंस के आने से यात्रियों को बेहतर सेवा और ज्यादा विकल्प मिलेंगे।

एनओसी मिलने के बाद भी कई प्रक्रियाएं

एनओसी मिलने का मतलब है कि सरकार ने इन कंपनियों को एयरलाइन शुरू करने की आगे की प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दे दी है। अब अगला कदम डीजीसीए से एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (AOC) लेना होगा।

इसके साथ ही इन्हें विमान (फ्लीट), पायलट और स्टाफ, मेंटेनेंस और रूट नेटवर्क से जुड़ी सारी तैयारियां करनी होंगी। यह पूरी प्रक्रिया आमतौर पर कई महीनों तक चलती है। इसी दौरान यह साफ होता है कि कोई एयरलाइन आर्थिक रूप से कितनी मजबूत है और उड़ान संचालन के लिए कितनी तैयार है।

कर्नाटक में स्लीपर बस में आग, 9 जिंदा जले

- 30 से ज्यादा यात्री सवार थे
- लॉरी से टक्कर के बाद हादसा

चित्तदुर्ग. कर्नाटक के चित्तदुर्ग ज़िले के हिरियूर तालुक में गुरुवार को एक भयानह सड़क हादसे में कम से कम 9 लोगों की जलकर मौत हो गई। कई लोग घायल हो गए हैं। यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर गोरलाथु क्रॉस के पास उस समय हुई, जब एक स्लीपर बस की सामने से आ रही लॉरी से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई, जिससे कई यात्री अंदर ही फंस गए।

पुलिस के अनुसार, हिरियूर से बेंगलुरु की ओर जा रही एक लॉरी ने सड़क का डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा में आ रही बस को टक्कर मार दी। बस बेंगलुरु से शिवमोग्गा जा रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्लीपर कोच बस बीच सड़क पर ही आग की लपटों में घिर गई।

हादसे के बाद बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जिससे बचाव और राहत कार्य में भारी मुश्किलें आईं। पुलिस ने बताया कि कई यात्री किसी तरह बस से बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि मृतकों की आधिकारिक संख्या ऑडिट और पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

प्रारंभिक जांच में लॉरी चालक की लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है। टक्कर की तीव्रता और आग की भयावहता के चलते बस पूरी तरह नष्ट हो गई। चित्तदुर्ग के पुलिस अधीक्षक रंजीत ने घटनास्थल का दौरा किया और स्वयं जांच की निगरानी कर रहे हैं। इस मामले में हिरियूर ग्रामीण पुलिस थाना में केस दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच जारी है।

हादसे के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के इस व्यस्त हिस्से पर कई घंटों तक यातायात प्रभावित रहा। मलबा हटाने, जली हुई बस को सड़क से हटाने और बचाव कार्य पूरा होने के बाद यातायात को धीरे-धीरे सामान्य किया गया।

बॉक्सर नीरज ने पूछा- और कैसे हो, पीएम मोदी ने जवाब दिया- तेरे जैसा ही हूं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसद खेल महोत्सव के आखिरी दिन हरियाणा के फतेहाबाद जिले के डांगरा गांव के युवा बॉक्सर नीरज से बातचीत की। खेल कार्यक्रम का समापन समारोह समाइन गांव के स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ, जहां वर्चुअल बातचीत हुई। इस दौरान, बॉक्सर नीरज और पीएम मोदी के बीच कुछ इस लिहाज में बातचीत हुई, जिसे सुनकर कोई भी अपनी हंसी नहीं रोक सका। दरअसल, नीरज ने पीएम मोदी से पूछ लिया कि और कैसे हो, जिसका जवाब भी पीएम मोदी ने तुरंत ही दिया कि तेरे जैसा ही हूं। पीएम मोदी और युवा बॉक्सर की बातचीत का यह वीडियो खुद प्रधानमंत्री ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया है।

बांग्लादेश में फिर एक हिन्दू युवक की हत्या, भीड़ ने पीट-पीटकर ले ली जान

ढाका. भारत से तनातनी के बीच पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर जुल्म थामे नहीं थम रहा। ताजा घटनाक्रम में एक और हिन्दू युवक की भीड़ ने पीट-पीटकर जान ले ली है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के राजबाड़ी ज़िले में बुधवार की देर रात उगाही का आरोप लगा एक हिंदू युवक को ग्रामीणों के एक समूह ने पीट-पीटकर मार डाला। यह घटना 27 साल के दीपू चंद्र दास की लिंचिंग के कुछ ही दिनों बाद हुई है, जो मैमनसिंह के भालुका में एक कपड़ा मिल में काम करते थे। दीपू पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर भीड़ ने हमला बोला था और पीट-पीटकर जान ले ली थी। बाद में उसके शव को पेड़ से लटकाकर जला दिया था।

द डेली स्टार की रिपोर्ट में कहा गया है कि ताजा मॉब लिंचिंग की वारदात बुधवार रात करीब 11 बजे हुई। अखबार को असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (पांगशा सर्कल) देब्रता सरकार ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा एक व्यक्ति पर हमला किए जाने की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। उसकी मौत हो गई।

पुलिस को गंभीर हालत में मिला था

मारे गए शख्स की पहचान अमृत मंडल के रूप में हुई है, जिसे सम्राट के नाम से भी जाना जाता था। वह उसी गांव का रहने वाला था, जहां वारदात हुई। पुलिस को वह गंभीर हालत में मिला था और उसे पांगशा उपजिला हेल्थ कॉम्प्लेक्स ले जाया गया, जहां आज (गुरुवार) सुबह करीब 2 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया।

हॉकी प्लेयर हार्दिक सिंह को मिलेगा 'खेल रत्न'

- **ओलिंपिक मेडल**
  2 ब्रॉन्ज (2021 टोक्यो, 2024 पेरिस)
- **कॉमनवेल्थ गेम्स**
  1 सिल्वर (2022 बर्मिंघम)
- **एशियन गेम्स**
  1 गोल्ड (2022 हांगझोऊ)
- **एशिया कप**
  1 गोल्ड (2025 राजगीर)
- **एशियन चैंपियंस ट्रॉफी**
  2 गोल्ड (2018 मस्कट, 2023 चेन्नई)
  1 ब्रॉन्ज (2021 ढाका)

- चेस वर्ल्ड चैंपियन दिव्या समेत 24 प्लेयर्स को अर्जुन अवॉर्ड की सिफारिश

भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह को 2025 का मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड मिलेगा। हार्दिक इकलौते खिलाड़ी हैं, जिनके नाम के लिए चयन समिति ने सिफारिश की है।

27 साल के हार्दिक सिंह टोक्यो 2021 और पेरिस ओलिंपिक 2024 में मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने इस साल आयोजित एशिया कप में गोल्ड मेडल जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।

बुधवार को चयन समिति की बैठक में अर्जुन पुरस्कार के लिए नामों की सिफारिश की गई। इसमें IOA के उपाध्यक्ष गगन नारंग, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी अपर्णा पोपट और पूर्व हॉकी खिलाड़ी एमएम सोमैया शामिल थे। समिति ने शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर समेत 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना है। इस बार खेल पुरस्कारों की लिस्ट में किसी क्रिकेटर का नाम नहीं है।

समिति द्वारा सिफारिश किए गए खिलाड़ियों को ही पुरस्कार देने का प्रस्ताव होता है। हालांकि, इस पर अंतिम निर्णय सरकार और खेल मंत्रालय लेते हैं। यदि उन्हें सूची में किसी नाम को जोड़ना या हटाना आवश्यक लगता है, तो वे ऐसा कर सकते हैं।

क्रिसमस पर चर्च पहुंचे PM मोदी

- ईसा मसीह की प्रतिमा के सामने जोड़े हाथ

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को क्रिसमस के अवसर पर दिल्ली के ऐतिहासिक कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में सुबह की प्रार्थना सभा में भाग लिया। इस सभा में दिल्ली और उत्तर भारत के ईसाई समुदाय के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभा में प्रार्थनाएं, क्रिसमस कैरोल, भजन गाए गए तथा दिल्ली के बिशप राइट रेवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप ने प्रधानमंत्री के लिए विशेष प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा- दिल्ली के कैथेड्रल चर्च

ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस सुबह की प्रार्थना सभा में शामिल हुआ। यह सभा प्रेम, शांति और करुणा के शाश्वत संदेश को प्रतिबिंबित करती है। क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और सद्भावना को प्रेरित करे।

इससे पहले, प्रधानमंत्री ने सभी नागरिकों को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा- सभी को शांति, करुणा और उम्मीद से भरे आनंदमय क्रिसमस की शुभकामनाएं। यीशु मसीह की शिक्षाएं हमारे समाज में सद्भाव को मजबूत करें। पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ईसाई समुदाय से जुड़े कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते रहे हैं। 2023 में ईस्टर के अवसर पर उन्होंने दिल्ली के सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। उसी वर्ष क्रिसमस पर उन्होंने अपने निवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर एक कार्यक्रम की मेजबानी की थी। 2024 में उन्होंने केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के निवास पर डिनर में भाग लिया तथा कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। सूत्रों के अनुसार, यह समुदाय के साथ नियमित जुड़ाव को दर्शाता है।

चाइना में इंडियन ब्लॉगर 15 घंटे बंधक रहा

नई दिल्ली. नई दिल्ली के व्लॉगर अनंत मित्तल ने बताया कि उन्हें अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा बताने पर चीन के ग्वांगझू एयरपोर्ट पर बंधक बना लिया गया था। साथ ही उन्हें भूखा प्यासा रखा गया।

उन्होंने बताया कि चीनी अधिकारियों ने उनके मोबाइल, कैमरा और बाकी गैजेट्स भी जब्त कर लिए थे। उन्हें करीब 15 घंटों तक हिरासत में रखा।

ये जानकारी अनंत ने 23 दिसंबर को यूट्यूब वीडियो के जरिए दी है। अनंत मित्तल का ऑन रोड इंडियन के नाम से चैनल है। वीडियो में अनंत ने बताया कि वे 16 नवंबर को चीन गए थे। एयरपोर्ट पर उतरते ही चीनी अधिकारियों ने उन्हें रोक लिया।

आम सूचना

मैं श्री विजय लालसिंग ठाकुर सभी को सूचित कर रहा हूं कि राहुल सॉ मिल के पास, स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ009014500) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रमोद पुंजाराम शिंदे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विजय लालसिंग ठाकुर

आम सूचना

हम श्री कमलेश आर. धुरी व श्रीमती निकिता कमलेश धुरी सभी को सूचित कर रहे हैं कि गणेश नगर, आरपीएस के सामने, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीओ010084700) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनोहर डी. परब से सेल एग्रीमेंट दि. 4.8.2025 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री कमलेश आर. धुरी
व श्रीमती निकिता कमलेश धुरी

आम सूचना

हम श्री रुपल मनिष परमार व श्री विशाल एम. परमार सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 401, श्यामली पार्क, बैरक नं. 1282/1,2, विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के सामने, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीआय009928100) उक्त प्रॉपर्टी श्री नानिकराम यू. चुग से सेल एग्रीमेंट दि. 3.9.2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रुपल मनिष परमार व
श्री विशाल एम. परमार

ऑक्सफोर्ड की बहस में भारत के छात्र ने पाक को धोया

- पानी-पानी हुआ पाकिस्तानी मंत्री का बेटा

ऑक्सफोर्ड यूनियन में भारत-पाकिस्तान से जुड़े एक प्रस्ताव को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि ऑक्सफोर्ड यूनियन के पाकिस्तानी मूल के अध्यक्ष मूसा हर्राज ने एक ऐसी बहस में पाकिस्तान की जीत का दावा कर दिया, जो कभी विधिवत आयोजित ही नहीं हुई। यह घटनाक्रम सामने आने के बाद सोशल मीडिया से लेकर अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक हलकों तक तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

विवादित प्रस्ताव का कहना

था, "यह सदन मानता है कि पाकिस्तान के प्रति भारत की नीति, सुरक्षा नीति के नाम पर बेची जा रही एक लोकलुभावन रणनीति है।" हालांकि, इसी प्रस्ताव पर नवंबर में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों के बीच एक अलग और वास्तविक बहस हुई थी, जिसमें भारतीय पक्ष ने पाकिस्तानी दलीलों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस बहस का नेतृत्व मुंबई में जन्मे और ऑक्सफोर्ड में कानून की पढ़ाई कर रहे वीरांश भानुशाली ने किया।

वीरांश भानुशाली ने अपना भाषण 26/11 मुंबई आतंकी हमलों की अपनी स्मृतियों से शुरू किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनका परिवार और पूरा मुंबई उन तीन रातों में दहशत के साए में जी रहा था। उन्होंने कहा, "सीएसएमटी उन जगहों में से एक था, जहां मेरे घर की एक सदस्य रोज गुजरती थीं। किस्मत से वह उस रात बच गईं, लेकिन 166 लोग नहीं बच सके।" उन्होंने बताया कि 1993 के मुंबई बम धमाके उनके घर से महज 200 मीटर दूर हुए थे। भानुशाली ने कहा, "मैं आतंक की छाया में बड़ा हुआ हूं।"

भारतीय छात्र ने पाकिस्तान द्वारा भारत की सुरक्षा नीति को चुनावी राजनीति बताने पर करारा जवाब देते हुए कहा, "इस बहस को जीतने के लिए मुझे बयानबाजी नहीं, सिर्फ एक कैलेंडर चाहिए।" उन्होंने 1993, 2008 (26/11), पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों की तारीखें गिनाते हुए पूछा, "क्या हर आतंकी हमले के पीछे चुनाव था? नहीं। आतंक वोट के लिए नहीं आया, वह इसलिए आया क्योंकि पाकिस्तान की धरती से उसे संरक्षण मिला।"

संक्षेप...

ठाणे मतदाता सूची में 85,000 नाम डबल

ठाणे. मनपा आयुक्त सौरभ राव ने स्वीकार किया है कि ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र की मतदाता सूची में लगभग 85,000 मतदाताओं के नाम एक से अधिक बार दर्ज हैं. हालांकि उन्होने कहा है कि इस मुद्दे को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा.

मनपा चुनाव तैयारियों के लिए आयोजित पत्रकार परिषद में मनपा आयुक्त सौरभ राव ने कहा कि 15 जनवरी को मनपा क्षेत्र के 33 वार्डों में 131 नगरसेवकों का चुनाव करने के लिए 16,49,867 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं. जिनमें 8,63,878 पुरुष, 7,85,830 महिलाएं और 159 तृतीय पंथ के व्यक्ति शामिल हैं.

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ऑपरेशन शुरू

- **पहली कमर्शियल फ्लाइट हुई लैंड, वॉटर कैनन से दी गई सलामी**

नवी मुंबई. नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMIA) पर गुरुवार (25 दिसंबर) को कमर्शियल फ्लाइट ऑपरेशन शुरू हो गए। यह भारत की फाइनेंशियल कैपिटल के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। मौजूदा मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सालों की भीड़भाड़ के बाद यह औपचारिक रूप से मल्टी-एयरपोर्ट सिस्टम की ओर बढ़ रहा है। न्यूज एजेंसी PTI की रिपोर्ट के अनुसार, एयरपोर्ट पर पहली आने वाली और जाने वाली फ्लाइट्स को पारंपरिक वॉटर कैनन सैल्यूट दिया गया।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NMIA) ने पहली फ्लाइट के साथ ऑपरेशन शुरू किया। उसमें बेंगलुरु से इंडिगो का एक विमान सुबह 8:00 बजे रनवे पर उतरा। एयरपोर्ट ऑपरेटर ने एक बयान में कहा कि फ्लाइट के आने पर उसे पारंपरिक 'वॉटर कैनन सैल्यूट' दिया गया, जो एक पुरानी एविएशन परंपरा है। अधिकारी ने कहा कि ये NMIA की पहली कमर्शियल लैंडिंग और टेक-ऑफ का प्रतीक है। बयान के अनुसार, पहली लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट से पहली उड़ान इंडिगो की फ्लाइट 6E882 हैदराबाद के लिए सुबह 8:40 बजे थी। इसने NMIA के उद्घाटन लैंडिंग और टेक-ऑफ चक्र को पूरा किया। पहले दिन, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्टार एयर घरेलू सेवाएं संचालित करेंगी। ये नई सुविधा को भारत भर के 9 डेस्टिनेशन से जोड़ेगी।

बयान में कहा गया है कि एयरपोर्ट पहले दिन 15 उड़ानों को संभालेगा। शुरुआती चरण में यह सुविधा 12 घंटे (सुबह 8:00 बजे से रात 8:00 बजे के बीच) संचालित होगी। इसमें 13 डेस्टिनेशन के लिए प्रतिदिन 24 उड़ानों का प्रावधान होगा। एयरपोर्ट में प्रति घंटे 10 विमानों की आवाजाही (लैंडिंग और टेक-ऑफ) को संभालने की क्षमता भी होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 8 अक्टूबर को एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी ने 2018 में इस प्रोजेक्ट की नींव रखी थी। पांच चरणों वाली एयरपोर्ट परियोजना का पहला चरण 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। एक बार जब एयरपोर्ट के सभी पांच चरण पूरे हो जाएंगे, तो यह सालाना 90 मिलियन यात्रियों को सेवा देगा। इसमें एक समर्पित कार्गो टर्मिनल भी होगा।

पूरी परियोजना को एक स्पेशल पर्पस व्हीकल (SPV), नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (NMIAL) के तहत कई चरणों में विकसित किया जा रहा है। इसमें अदानी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बाकी 26 प्रतिशत सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (CIDCO) के पास है। अगले साल फरवरी से संचालन को धीरे-धीरे बढ़ाकर 24 घंटे करने की योजना है।

शिवसेना की 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

मुंबई. महायुति के घटक दल शिंदे सेना ने 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी है जिसमें राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवरा और पूर्व सांसद संजय निरुपम को शामिल किया गया है। फिल्म स्टार गोविंदा भी शिंदे सेना के स्टार प्रचारक है। स्टार प्रचारकों की सूची में सांसद, विधायक, पार्टी के प्रवक्ता के साथ-साथ पार्टी के कई वरिष्ठ और प्रमुख पदाधिकारी शामिल हैं।

स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी शिवसेना ने बुधवार को पार्टी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की। इसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पार्टी के नेता रामदास कदम, गजानन कीर्तिकर, सांसद श्रीकांत शिंदे, केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव, सांसद रवींद्र वायकर, सांसद नरेश म्हस्के, नीलम गोहे, पूर्व सांसद राहुल शेवाले, प्रवक्ता राजू वाघमारे, युवा नेता राहुल लोढ़े सहित महाराष्ट्र की महायुति सेना में शिंदे के कोटे के सभी मंत्रियों का नाम स्टार प्रचारक की लिस्ट में शामिल है।

1. एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री
2. रामदास कदम, नेता
3. गजानन कीर्तिकर, नेता
4. आनंदराव अडसुल, नेता
5. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे,
6. प्रतापराव जाधव, केंद्रीय मंत्री
7. डॉ. नीलमताई गोंहे, नेता
8. श्रीमती मीनाताई कांबली, नेता
9. गुलाबराव पाटिल, नेता
10. दादाजी भुसे, उप नेता
11. उदय सामंत, उप नेता
13. शंभुराज देसाई, उप नेता
14. संजय राठौड़, मंत्री
15. भरतशेठ गोगावले, उप नेता
16. प्रकाश अबितकर, मंत्री
17. प्रताप सरनाईक, मंत्री
18. आशीष जायसवाल, राज्य मंत्री
19. योगेश कदम, राज्य मंत्री
20. दीपक केसरकर, प्रवक्ता
29. श्रीरंग बारणे, उप नेता
22. धैर्यशील माने, MP
23. संदीपन भुमरे, MP
24. नरेश म्हस्के, MP
25. रवींद्र वायकर, MP
26. मिलिंद देवड़ा, MP
27. डॉ. दीपक सावंत, उप नेता
28. शाहजी बापू पाटिल, उप नेता
29. राहुल शेवाले, उप नेता
30. डॉ. मनीषा कायंदे, सचिव
31. नीलेश राणे, विधायक
32. संजय निरुपम, प्रवक्ता
33. राजू वाघमारे, प्रवक्ता
34. डॉ. ज्योति वाघमारे, प्रवक्ता
35. पूर्वेश सरनाईक, युवा सेना
36. राहुल लोंढे, युवा सेना सचिव
37. अक्षय भोसले, प्रवक्ता
38. समीर काज़ी, कार्यकारी अध्यक्ष,
39. श्रीमती. शायना एन.सी.,
40. गोविंदा आहूजा, पूर्व MP

ठाणे मनपा आम चुनाव शांतिपूर्ण कराने के लिए तैयार : आयुक्त सौरभ राव

ठाणे. ठाणे मनपा के आम चुनाव 2025-26 में हो रहा है। मनपा ने चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और प्रशासन शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव कराने के लिए तैयार है, यह जानकारी चुनाव अधिकारी व आयुक्त सौरभ राव ने आज हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। चुनाव कार्यक्रम लोकतंत्र का उत्सव है और उन्होंने सभी से इस उत्सव में भाग लेने और ज़्यादा से ज़्यादा वोट देने की अपील भी की।मनपा मुख्यालय के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त आयुक्त 1 संदीप मालवी, अतिरिक्त 2 प्रशांत रोडे,उपायुक्त चुनाव उमेश बिरारी, जी.जी. गोदापुरे, मिताली संचेती, दीपक जिंजाद आदि मौजूद थे।

ठाणे मनपा के आम चुनाव के लिए कुल 33 वार्ड हैं और 2011 की जनगणना के अनुसार आबादी 18,41,488 है। सबसे ज़्यादा आबादी वाला वार्ड वार्ड नंबर 25 है जिसकी आबादी 62,697 है और सबसे कम आबादी वाला वार्ड वार्ड नंबर 29 है जिसकी आबादी 38,172 है। कुल वोटरों की संख्या 16,49,867 है, जिसमें पुरुष वोटरों की संख्या 8,63,878, महिला वोटरों की संख्या 7,85,830 और अन्य वोटरों की संख्या 159 है।

चुनाव के काम के लिए सिस्टम चालू

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने आम चुनाव के काम के सिलसिले में 120 गाड़ियां दी हैं। CCTV और वेबकास्टिंग की सुविधा, बिजली का सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (7500 BU + CU), इंटरनेट और कंप्यूटर सिस्टम की उपलब्धता, चाय और खाने का इंतज़ाम, वोटिंग अवेयरनेस और पब्लिसिटी का इंतज़ाम, बैलेट पेपर और स्टेशनरी प्रिंटिंग के लिए ज़रूरी स्टाफ़ दिया गया है।

वन विंडो स्कीम

हर वार्ड कमिटी ऑफ़िस में कुल 9 ऐसी विंडो खोली गई हैं और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर में सिविक अमेनिटीज़ सेंटर में 1 ऐसी विंडो खोली गई है। इस वन विंडो स्कीम से, उम्मीदवार/पॉलिटिकल पार्टियां मीटिंग/कैंपेन की परमिशन, मीटिंग करने की परमिशन, लाउडस्पीकर की परमिशन, रैली, बोर्ड और बैनर की परमिशन, पार्टी ऑफ़िस खोलने की परमिशन, बकाया न होने का सर्टिफ़िकेट, टॉयलेट इस्तेमाल करने का सर्टिफ़िकेट, कॉन्ट्रैक्टर न होने का सर्टिफ़िकेट, वोटर लिस्ट का अर्क, वगैरह, सर्टिफ़िकेट/सर्टिफ़िकेट और दूसरे परमिट, मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट के समय के दौरान फ़ायर डिपार्टमेंट, लोकल पुलिस स्टेशन और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट जैसे सभी डिपार्टमेंट से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफ़िकेट ले सकेंगे।

पोलिंग स्टेशन

हर वार्ड में एक, 33 मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। साथ ही, हर वार्ड में पूरी तरह से महिलाओं के लिए सखी पोलिंग स्टेशन बनाया जाएगा। पोलिंग स्टेशन पर दिव्यांग वोटर्स के लिए व्हीलचेयर और रैंप दिए गए हैं।

अवैध पोस्टर पर एक्शन

कोड ऑफ़ कंडक्ट लागू होने के बाद से, ठाणे शहर में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एनक्रोचमेंट डिपार्टमेंट ने 3778 अनऑथराइज़्ड पोस्टर हटाए हैं। साथ ही, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने डेवलपमेंट के कामों के कोनों को पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव्स के नाम से कवर करने का एक्शन लिया है।

'नितेश राणे को अरेस्ट कर पेश करो'

- **महाराष्ट्र के मंत्री पर क्यों भड़क गए जज साहब?**
- **कई MLA भी लपेटे में आए**

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में उस वक्त जबरदस्त हलचल पैदा हो गई जब सिंधुदुर्ग की कुडाल कोर्ट ने राज्य के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए नॉन-बेलेबल वारंट (NBW) जारी कर दिया. अक्सर अपनी आक्रामक बयानबाजी के लिए सुर्खियों में रहने वाले नितेश राणे के लिए यह एक बड़ा कानूनी झटका माना जा रहा है. मामला साल 2021 के उस विवादित आंदोलन से जुड़ा है जिसने सिंधुदुर्ग की शांत गलियों में राजनीतिक तूफान ला दिया था. कोर्ट की यह कार्रवाई स्पष्ट संदेश है कि पद और रसूख चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, न्याय प्रक्रिया की अवहेलना भारी पड़ सकती है.

क्या है पूरा मामला?

यह कानूनी विवाद आज का नहीं बल्कि 26 जून 2021 का है. उस समय महाराष्ट्र में ओबीसी आरक्षण और 'संविधान बचाओ' के मुद्दे पर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे.

ओबीसी आंदोलन: सिंधुदुर्ग में हुए इस प्रोटेस्ट के दौरान भारी हंगामा हुआ था जिसके बाद कुडाल पुलिस ने केस दर्ज किया था.

आरोपियों की सूची: इस मामले में नितेश राणे, विधायक नीलेश राणे, विधायक प्रवीण दरेकर, प्रसाद लाड और राजन तेली समेत कुल 45 लोगों को आरोपी बनाया गया था.

अदालत की नाराजगी: बुधवार को हुई सुनवाई में नीलेश राणे और राजन तेली तो पेश हुए लेकिन मंत्री नितेश राणे समेत 6 आरोपी गायब रहे. कोर्ट ने उनके वकीलों की दलीलें ठुकराते हुए वारंट जारी कर दिया.

राणे के साथ इन दिग्गजों पर भी गिरी गाज :

अदालत ने केवल नितेश राणे ही नहीं बल्कि भाजपा के अन्य कद्दावर नेताओं के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की है.

पोलिंग स्टेशन स्टाफ के लिए ट्रेनिंग का आयोजन

ठाणे. मनपा के आम चुनाव 2025-26 के लिए 15 जनवरी 2026 को होने वाले वोटिंग प्रोसेस को बिना किसी परेशानी के कराने के लिए, पोलिंग स्टेशनों पर नियुक्त पोलिंग अधिकारियों और स्टाफ की पहली ट्रेनिंग शनिवार से होगी, यह जानकारी चुनाव अधिकारी व आयुक्त सौरभ राव ने दी। उन्होंने इस मौके पर बताया कि पोलिंग स्टेशनों पर नियुक्ति के लिए ऑर्डर पाने वाले सभी अधिकारियों और स्टाफ के लिए ट्रेनिंग लेना ज़रूरी है। इसके मुताबिक, ठाणे मनपा के 33 वार्ड में 15 जनवरी 2026 को वोटिंग होगी। वोटिंग प्रोसेस को पूरा करने के लिए, पोलिंग स्टेशन प्रेसिडेंट, पोलिंग ऑफिसर 1, 2, 3 के लिए वोटिंग प्रोसेस पर पहली ट्रेनिंग क्लास 27/12/2025 से 29/12/2025 तक तीन दिनों के टाइम पीरियड में राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में दो सेशन में ऑर्गनाइज़ की गई है।ठाणे शहर में कुल 2013 पोलिंग स्टेशन हैं और इन सभी पोलिंग स्टेशनों के लिए 10120 ऑफिसर और स्टाफ़ को अपॉइंट किया गया है। ठाणे मनपा के इलेक्शन डिपार्टमेंट ने एक पूरा ट्रेनिंग प्रोग्राम प्लान किया है और इसके लिए कुल 2530 टीमें बनाई गई हैं। इस टीम में कुल 10120 ऑफिसर और स्टाफ़ को ट्रेनिंग दी जाएगी।राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में 27 दिसंबर से 29 दिसंबर तक सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक दो सेशन में कुल 4520 अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इस बीच,चुनाव अधिकारी व उपायुक्त उमेश बिरारी ने बताया कि डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में 5600 अधिकारियों और कर्मचारियों समेत कुल 10120 अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी।

मेरी बॉडी अब किस शेप-साइज में मुझे फर्क नहीं पड़ता -कियारा

- **न्यू मॉम कियारा आडवाणी बोलीं- वॉर-2 में अपना बिकिनी सीन देख परेशान हो गई थी**

कियारा आडवाणी मां बनने के पांच महीने बाद काम पर लौट चुकी हैं। हाल ही में उन्हें वोग मैगजीन के लिए फोटोशूट किया और इंटरव्यू दिया है। एक्ट्रेस ने वोग मैगजीन को दिए इंटरव्यू में अपनी आखिरी रिलीज फिल्म वॉर-2 की बिकिनी सीन पर बात की है।

इस के अलावा उन्हें मेंटल हेल्थ और भी अलग-अलग मुद्दों पर बात की।

इंटरव्यू में कियारा ने बताया कि आजकल वो अपनी बेटी सरायाह की खिलखिलाहट देख अपनी सारी थकान भूल जाती हैं।

'वॉर-2' की बिकिनी सीन पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने फिल्म में बिकिनी पहनने के लिए बहुत डिसिप्लिन के साथ ट्रेनिंग ली थी। लेकिन फिल्म तब रिलीज हुई जब उन्होंने अभी-अभी अपनी बेटी को जन्म दिया था और उनकी बॉडी बिल्कुल अलग दिख रही थी।

कियारा कहती हैं-'डिलीवरी के बाद मेरे मन में एक ख्याल आया कि मुझे वजन कम करना चाहिए। मैंने यह पहले भी किया है। मैं इसे फिर से करूंगी। फिर मुझे एहसास हुआ कि यह सबसे खूबसूरत शरीर पाने के बारे में नहीं है।' अब जब मैं अपनी बॉडी को देखती हूं तो सोचती हूं- वाह, तुमने एक बच्चे को जन्म दिया। इसकी कोई तुलना नहीं हो सकती है। अब, मेरा शेप या साइज चाहे जो भी हो, मैं हमेशा अपनी बॉडी की रिस्पेक्ट करूंगी। आपको अपनी बॉडी की क्षमताओं का सम्मान करना चाहिए।'

SST महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय आवासीय शिविर का उत्साहपूर्वक शुभारंभ

बदलापूर. एस.एस.टी. महाविद्यालय, उल्हासनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय आवासीय शिविर का बदलापूर–राहटोली स्थित आरोग्य योगा एवं नेचरोपैथी सेंटर में उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण इस आवासीय शिविर में सात दिनों तक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न समाजोपयोगी गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। साथ ही विशेषज्ञों के व्याख्यानों के माध्यम से स्वावलंबन, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक दायित्व और समाजसेवा जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। "Not Me But You" (मैं नहीं, हम) के सिद्धांत के अनुरूप यह शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिविर के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के ठाणे जिला समन्वयक तथा एस.एस.टी. महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रा. जीवन विचारे, उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे, डॉ. संतोष करमानी, कनिष्ठ महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रा. देविदास जळकोटे, कार्यक्रम अधिकारी प्रा. मयूर माथूर, प्रा. नम्रता सिंग, प्रा. सुरभी त्रिवेदी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। इस शिविर में लगभग डेढ़ सौ स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं और शिविर के लिए एक सख्त समय-सारिणी तैयार की गई है। प्रतिदिन सुबह योग, ध्यान एवं शारीरिक तंदुरुस्ती की गतिविधियों से दिन की शुरुआत होगी, जबकि दिनभर विभिन्न कार्यक्रम, मार्गदर्शन सत्र और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। शिविर के समापन अवसर पर उत्कृष्ट स्वयंसेवकों का सम्मान किया जाएगा।

यह शिविर महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है। इस माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व गुण विकसित होने की जानकारी आयोजकों ने दी।

आम सूचना

मैं श्री धर्मेंद्र कुमार राय सभी को सूचित कर रहा हूं कि इंडस्ट्रियल शेड (नेहल इंडस्ट्रीज), सरकारी जमीन, गायकवाड़ पाड़ा, आकाश कालोनी रोड के पास, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 56डीओ012678000) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुनील रमेशलाल बठीजा व श्री हीरो हरपालदास कुकरेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 22.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री धर्मेंद्र कुमार राय

आम सूचना

मैं श्री राज सुरेंद्र गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, जेजे नगर, स्टेशन रोड, रेलवे स्टेशन के सामने, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ021608400) उक्त प्रॉपर्टी श्री विशाल मधुकर सोनार के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 4.4.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री राज सुरेंद्र गुप्ता

आम सूचना

मैं श्री आफताब आलम सबीराली मलिक सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप, बैरक नं. 1532, रुम नं. 1, सेक्शन 29, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 45सीआय010284500) उक्त प्रॉपर्टी श्री भारत कन्हैयालाल ममतोरा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री आफताब आलम सबीराली मलिक

आम सूचना

मैं श्री विजय लालसिंग ठाकुर सभी को सूचित कर रहा हूं कि राहुल सॉ मिल के पास, स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ009014501) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रमोद पुंजाराम शिंदे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.12.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विजय लालसिंग ठाकुर

आम सूचना

मैं श्री सद्दाम हुसैन अंसारी सभी को सूचित कर रहा हूं कि निलिमा पाल हाऊस 27/1 के पीछे, सुभाष नगर(पोर्शन), उल्हासनगर- 3. 300 चौ.फुट व 50 चौ.फुट ओपन स्पेस (टैक्स नं. 27बीओ0022066600) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रदीप कुमार सरबिंदू रॉय के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.10.2025 सी.नं. 180/2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सद्दाम हुसैन अंसारी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099